

प्रेषक,

अतर सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग- 5

देहरादून,

दिनांक: 09 सितम्बर, 2016

विषय: राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, कोटद्वार को बेस चिकित्सालय के रूप में उच्चीकृत किये जाने हेतु अनुमोदित लागत के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2016-17 में राज्य सेक्टर से अंतिम किश्त की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-05/XXVIII-5-2014-51/2012 दिनांक 01 जनवरी, 2014 एवं शासनादेश संख्या-430/XXVIII-5-2016-51/2012 दिनांक 21 मार्च, 2016 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि बेस चिकित्सालय, कोटद्वार के निर्माण कार्यों हेतु अनुमोदित कुल लागत ₹3159.81 लाख (सिविल कार्यों हेतु ₹2637.31 लाख तथा अधिप्राप्ति नियमावली, सम्बन्धी कार्यों हेतु ₹522.50 लाख) पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए विभिन्न शासनादेशों के माध्यम से अब तक केन्द्रांश व राज्यांश सहित कुल ₹2866.67 लाख (रूपये अट्ठाईस करोड़ छियासठ लाख सड़सठ हजार मात्र) की धनराशि अवमुक्त की गई है तथा इसके उपरान्त मूल लागत के सापेक्ष ₹293.14 लाख की देयता अवशेष है। निर्माण इकाई द्वारा अवमुक्त धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराते हुए अवशेष धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुरोध किया गया है। अतः निर्माण कार्य की निरन्तरता बनाये रखे जाने के निमित्त वित्तीय वर्ष 2016-17 में प्रश्नगत परियोजना हेतु विभागीय सुसंगत मद में प्रावधानित धनराशि में से केन्द्रांश व राज्यांश सहित कुल अवशेष देयता की धनराशि ₹293.14 लाख (रूपये दो करोड़ तिरानवे लाख चौदह हजार मात्र) पर वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए शासनादेश संख्या-05/XXVIII-5-2014-51/2012 दिनांक 01 जनवरी, 2014 में निहित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अवमुक्त करते हुए व्यय किये जाने की महामहिम श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- महानिदेशक द्वारा कार्यदायी संस्था को कार्य में तेजी लाने हेतु निर्देशित करते हुए अवमुक्त धनराशि का यथाशीघ्र उपयोग कर निर्धारित प्रपत्र पर उपयोगिता प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि तत्काल आहरित की जायेगी तथा परियोजना प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लि०, इकाई-2, देहरादून को उपलब्ध करायी जायेगी।

(2)

3. परियोजना की अनुमोदित लागत के सापेक्ष धनराशि अवमुक्त किये जाने में किसी प्रकार का विलम्ब नहीं हुआ है। अतः निर्माण कार्य यथाशीघ्र पूर्णकर भवन हस्तान्तरित किये जायेंगे तथा किसी प्रकार का पुनरीक्षित आगणन स्वीकार्य नहीं होगा।

4. उक्त के संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2016-17 की अनुदान संख्या-12 लेखाशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूँजीगत परिव्यय-आयोजनागत-01-शहरी स्वास्थ्य सेवायें 110-अस्पताल तथा औषधालय 24-कोटद्वार में बेस चिकित्सालय, ट्रामा सेण्टर तथा डायग्नोस्टिक सेण्टर का निर्माण (एस.पी.ए.)-00-24-वृहद् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-847/XXVII(1)/2016 दिनांक 26 जुलाई, 2016 में प्रदत्त निर्देशों के क्रम में निर्गत किया जा रहा है।


संलग्न-अलॉटमेंट आई0डी0संख्या-S1609120111

भवदीय,
(अतर सिंह)
संयुक्त सचिव।

संख्या- 921 (1)/XXVIII-5-2016-51/2012 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नालिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. सचिव-मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
3. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल।
5. मुख्य चिकित्साधिकारी, पौड़ी गढ़वाल/मुख्य चिकित्साधीक्षक, राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, कोटद्वार गढ़वाल।
6. मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल।
7. परियोजना प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लि0, देहरादून इकाई-02, आयुर्वेद विश्वविद्यालय परिसर, हरवाला, देहरादून।
8. बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
9. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु0-3/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0।
10. मीडिया सेंटर, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(दिनेश यादव)
अनु सचिव।